कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मनीष जैन, हरी शंकर हलवासिया, हरी मोहन बांगड़, सज्जन भजनका, प्रो. सैबाल चट्टोपाध्याय, किशन केजरीवाल एवं रूद्र चटर्जी

इंटर्नशिप के माध्यम से शिक्षा और उद्योग को जोड़ने के लिए हुई परिचर्चा

कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किया गया आयोजित

सन्मार्ग संवाददाता

कोलकाता : कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शनिवार को एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस आयोजित कार्यक्रम में इंटर्नशिप के माध्यम से शिक्षा और उद्योग को जोड़ने के विषय पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल उच्च शिक्षा एवं स्कूल शिक्षा विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी मनीष जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री सीमेंट लिमिटेड के एमडी हरि मोहन बांगड़, सेंचुरी प्लाईबोर्ड्स (आई) लि. के चेयरमैन सज्जन भजनका, आईआईएम कलकत्ता के प्रभारी निदेशक प्रो. सैबाल चट्टोपाध्याय, एजुकेशन एंड स्किल डेवलपमेंट कमेटी कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन किशन केजरीवाल, लक्ष्मी टी कं.प्रा.लि. के एमडी रुद्र चटर्जी एवं कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रेसिडेंट हरि शंकर हलवासिया उपस्थित थे। इनके साथ ही यूनिवर्सिटी के रिप्रेजेंटेटिव, इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स व अन्य लोग भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में हरि शंकर हलवासिया ने सभी का स्वागत करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि भारत में शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रगति एवं परिवर्तन देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में उद्योग व शैक्षणिक संस्थान के बीच सहयोग को आगे बढ़ाना है। मनीष जैन ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था पूरे देश में तीसरे स्थान पर आती है। उन्होंने कहा कि उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच एक अच्छे कनेक्शन के लिए कुशल मानव संसाधन, मजबूत साझेदारी एवं कल्चर ऑफ एक्सीलेंस होना बेहद जरूरी है। इंटर्नशिप एक ऐसा तरीका है जो उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच संबंध बनाता है। सज्जन भजनका ने कहा कि उच्च शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा को बढ़ावा देने में उद्योग एक बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स को सिर्फ एकेडमिक नॉलेज ही नहीं बल्कि प्रैक्टीकल नॉलेज होना भी बेहद जरूरी है। रुद्र चटर्जी ने कहा कि टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालयों का लगातार विकास कर रही है। आज की दुनिया विकास की ओर तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हम स्टूडेंट्स को बुनियादी ढांचों के साथ बेहतर इंटर्नशिप देंगे। हरि मोहन बांगड़ ने कहा कि पहले के मुताबिक आज के युवा बहुत मेहनती हैं। उनके पास विभिन्न तरह के विचार हैं। बस जरूरी है कि उन्हें अपने विकास के लिए एक सही मार्ग मिल सके। किशन केजरीवाल ने कहा कि उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग एवं इस पहल से हमारे आने वाले भविष्य का विकास होगा। सैबाल चट्टोपाध्याय ने लोगों को जानकारी देते हुए शिक्षा प्रणाली के विषय पर चर्चा की।